समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

वाशिम मे आंयुर्वेदिक चिकित्सा की मिसाल बने डॉ. सुबोध केळे और डॉ. नितिका केळे, प्राकृतिक उपचार और केश चिकित्सा से बदल रहे हजारों मरीजों का जीवन

Sanket Morankar
Published on 30 Jun 2026

आज के समय में जब लोग जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों, तनाव और लंबे समय तक चलने वाली स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं, ऐसे दौर में आयुर्वेद एक बार फिर लोगों के लिए भरोसेमंद उपचार पद्धति बनकर उभरा है। महाराष्ट्र के वाशिम शहर में **डॉ. सुबोध प्रल्हाद केळे** और उनकी धर्मपत्नी **डॉ. नितिका सुबोध केळे** इसी आयुर्वेदिक परंपरा को आधुनिक सोच के साथ आगे बढ़ाते हुए हजारों मरीजों के जीवन में स्वास्थ्य और खुशहाली ला रहे हैं। दोनों चिकित्सकों ने अपने ज्ञान, अनुभव और समर्पण से आयुर्वेद को केवल उपचार का माध्यम नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली का आधार बना दिया है।

एक दशक से अधिक समय से दे रहे है प्रामाणिक आयुर्वेदिक उपचार

डॉ. सुबोध प्रल्हाद केळे, एम.डी. (आयुर्वेद) अप्रैल 2013 से वाशिम में प्रामाणिक आयुर्वेदिक चिकित्सा का अभ्यास कर रहे हैं। एक दशक से अधिक के क्लिनिकल अनुभव के साथ वे मरीजों को शास्त्रीय आयुर्वेद के सिद्धांतों पर आधारित, सुरक्षित और व्यक्तिगत उपचार प्रदान कर रहे हैं। उनका मानना है कि किसी भी बीमारी का स्थायी समाधान तभी संभव है जब उसके मूल कारण को समझकर उसका उपचार किया जाए, न कि केवल लक्षणों को दबाया जाए।

यही सोच उन्हें अन्य चिकित्सकों से अलग पहचान दिलाती है। उनका उद्देश्य मरीजों को केवल रोगमुक्त करना नहीं, बल्कि उन्हें दीर्घकालिक स्वास्थ्य और बेहतर जीवनशैली प्रदान करना है।

कई जटिल बीमारियों के उपचार मे विशेष विशेषज्ञता

डॉ. केले ने वर्षों के अनुभव से अनेक जटिल एवं दीर्घकालिक रोगों के उपचार में विशेष दक्षता हासिल की है। उनकी विशेषज्ञता विशेष रूप से निम्न क्षेत्रों में मानी जाती है—

- बांझपन (Infertility) का आयुर्वेदिक उपचार
- जोड़ों एवं मांसपेशियों से जुड़े रोग
- त्वचा संबंधी विभिन्न रोग
- किडनी स्टोन (पथरी) का उपचार
- वात विकार एवं अन्य क्रॉनिक बीमारियां
- जीवनशैली से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं का समग्र प्रबंधन

उनके उपचार में आधुनिक जांचों की सहायता के साथ आयुर्वेद के मूल सिद्धांतों का संतुलित उपयोग किया जाता है, जिससे मरीजों को दीर्घकालिक लाभ प्राप्त होता है।

आधुनिक सुविधाओं से युक्त पंचकर्म केंद्र

डॉ. सुबोध केळे के क्लिनिक में अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित **समर्पित पंचकर्म सेटर** भी संचालित किया जाता है। यहां शुद्ध आयुर्वेदिक पद्धति के अनुसार शरीर की शुद्धि, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने और प्राकृतिक संतुलन स्थापित करने वाली पंचकर्म चिकित्सा उपलब्ध है।

केंद्र में उपलब्ध प्रमुख पंचकर्म उपचारों में शामिल हैं—

- **उत्तरबस्ती (Uttarbasti)** – बांझपन एवं स्त्री-पुरुष प्रजनन संबंधी समस्याओं के लिए
- **जानुबस्ती (Janubasti)** – घुटनों के दर्द एवं जोड़ों की समस्या के लिए
- **कटीबस्ती (Kattibasti)** – कमर दर्द एवं स्पाइन संबंधी विकारों के लिए
- **मन्याबस्ती (Manyabasti)** – गर्दन एवं सर्वाइकल समस्याओं के लिए
- **वमन (Vamana)** – एलर्जी, त्वचा रोग एवं श्वसन संबंधी समस्याओं के लिए
- **विरेचन (Virechana)** – त्वचा रोग, पाचन संबंधी विकार एवं शरीर की शुद्धि के लिए

इन उपचारों के माध्यम से अनेक मरीजों ने प्राकृतिक रूप से स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया है।

डॉ. नितिका केळे संभाल रही है 'केश केयर आयुर्वेद दवाखाना'

डॉ. सुबोध केळे के साथ उनकी पत्नी **डॉ. नितिका सुबोध केळे** भी आयुर्वेदिक चिकित्सा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। वे **'केश केयर आयुर्वेद दवाखाना'** का संचालन करती हैं, जहां आयुर्वेदिक हेयर केयर एवं मेडिकल कॉस्मेटोलॉजी से जुड़ी सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

डॉ. नितिका केळे **आयुर्वेदाचार्य** होने के साथ-साथ **Fellowship in Medical Cosmetology** तथा **PGDCC** जैसी विशेष योग्यता भी रखती हैं। उनके उपचार का उद्देश्य बालों और स्कैल्प की समस्याओं का प्राकृतिक एवं दीर्घकालिक समाधान उपलब्ध कराना है।

वे आयुर्वेदिक सिद्धांतों के माध्यम से बालों की जड़ों को मजबूत बनाने, स्कैल्प को स्वस्थ रखने तथा प्राकृतिक सौंदर्य को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान देती हैं।

एक ही छत के नीचे समग्र आयुर्वेदिक स्वास्थ्य सेवा

डॉ. सुबोध केळे और डॉ. नितिका केळे मिलकर वाशिम में एक ऐसा आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्र संचालित कर रहे हैं, जहां मरीजों को संपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होती हैं। जहां डॉ. सुबोध गंभीर एवं दीर्घकालिक रोगों के उपचार में विशेषज्ञ हैं, वहीं डॉ. नितिका आयुर्वेदिक हेयर केयर और कॉस्मेटोलॉजी के माध्यम से मरीजों को विशेष सेवाएं प्रदान कर रही हैं।

दोनों चिकित्सकों का साझा उद्देश्य है कि प्रत्येक मरीज को उसकी शारीरिक प्रकृति, स्वास्थ्य स्थिति और जीवनशैली के अनुसार व्यक्तिगत उपचार मिले, जिससे उसे स्थायी स्वास्थ्य लाभ प्राप्त हो सके।

प्राकृतिक उपचार और मरीजों के प्रति समर्पण ही पहचान

डॉ. सुबोध केळेऔर डॉ. नितिका केळे का मानना है कि आयुर्वेद केवल एक चिकित्सा पद्धति नहीं, बल्कि स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने का विज्ञान है। यही कारण है कि वे प्रत्येक मरीज को केवल दवा ही नहीं, बल्कि उचित आहार, दिनचर्या, जीवनशैली और मानसिक संतुलन से जुड़ी सलाह भी देते हैं।

उनकी ईमानदारी, मरीजों के प्रति संवेदनशीलता और शास्त्रीय आयुर्वेद के प्रति प्रतिबद्धता ने उन्हें वाशिम और आसपास के क्षेत्रों में एक विश्वसनीय नाम बना दिया है।

स्वास्थ्य, विश्वास और सेवा का मजबूत आधार

आज डॉ. सुबोध केळे और डॉ. नितिका केळे हजारों मरीजों के लिए विश्वास का पर्याय बन चुके हैं। आयुर्वेद की प्राचीन परंपरा और आधुनिक चिकित्सा दृष्टिकोण के संतुलित समन्वय के साथ दोनों चिकित्सक प्राकृतिक उपचार को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहे हैं। उनका उद्देश्य केवल रोगों का उपचार करना नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को स्वस्थ, संतुलित और सुखद जीवन की ओर प्रेरित करना है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.